भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 170

जिसका उत्तर 29.01.2026 को दिया जाना है

डुमरिया में गंडक नदी पर बने पुल की जर्जर हालत

170. डॉ. आलोक कुमार सुमन:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को बिहार के गोपालगंज जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 (ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर) पर डुमरिया स्थित गंडक नदी के पुल की अत्यंत खस्ताहाल स्थिति की जानकारी है, जो दुर्घटनाओं तथा जान और माल की हानि का गंभीर खतरा उत्पन्न करता है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि उक्त पुल के निर्माण या पुनर्निर्माण का ठेका दो बार दिया गया लेकिन स्तंभों और स्पैन में दरारें तथा अन्य तकनीकी बाधाओं के कारण अधूरा रह गया यदि हाँ, तो इस संबंध में कौन उत्तरदायी पाया गया और क्या कार्रवाई की गई;

(ग) क्या किसी विशेषज्ञ समिति ने स्थायी समाधान के रूप में स्टील फ्रेम या स्टील गार्डर के उपयोग की सिफारिश की है, यदि हाँ, तो प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(घ) स्थायी काम शुरू करने की संभावित समय-सीमा और यातायात के लिए किए गए अंतरिम सुरक्षा इंतज़ाम क्या हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) डुमरिया गांव में एनएच-27 पर 423.000 किमी पर गंडक नदी (नीचे की तरफ) पर एक 2-लेन का पुल पहले से है जिसे साल 1974 में बनाया गया था। उक्त पुल को यातायात योग्य स्थिति में बनाए रखा जा रहा है। तथापि इस स्थान पर कैरिजवे के 4 लेन से 2 लेन में कम करने के कारण यातायात की भीड़भाड़ ज्यादा रहती है। इसके अलावा, गंडक नदी (ऊपर की तरफ) पर एक नया 2-लेन का पुल पहले से मौजूद 2-लेन के पुल के पास बन रहा है। मौजूदा 2 लेन पुल निर्माणाधीन है।

(ख) ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर के तहत 4-लेन के काम में गंडक नदी पर नए 2 लेन के पुल का काम शुरू में 2007 में एजेंसी मैसर्स प्रोग्रेसिव कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को दिया गया था और रियायतग्राही की गलतियों की वजह से 2013 में एजेंसी को निरस्त कर दिया गया था।

निरस्त करने के समय, 16 स्पैन में से 9 डेक स्लैब पूरे हो चुके थे और 7 डेक स्लैब का काम पूरा होने के लिए शेष था। इसके बाद, शेष कार्यों के लिए बोलियाँ आमंत्रित की गईं और कार्य सौंपा गया।

इसके बाद, बाकी कार्यों के लिए बोलियाँ मंगाई गईं और साल 2022 में कार्य सौंप दिया गया। कार्य के दौरान, पहले से बने संरचना में संरचनात्मक कठनाईयाँ देखी गईं और संरचनात्मक और डिजाइन विशेषज्ञों के साथ परामर्श के बाद, एक समग्र सुपर स्ट्रक्चर पर विचार किया जा रहा है।

(ग) स्ट्रक्चर की संरचनात्मक मूल्यांकन लेखापरीक्षा के लिए मेसर्स राइट्स को नियुक्त किया गया है। तदनुसार, राइट्स रिपोर्ट के आधार पर, डिजाइन विशेषज्ञ और पर्यवेक्षण सलाहकार के परामर्श द्वारा समग्र सुपर स्ट्रक्चर का डिजाइन बन रहा है और उसी के अनुसार काम शुरू किया जाएगा।

(घ) अंतरिम यातायात व्यवस्था भारतीय सड़क काँग्रेस दिशानिर्देशों के अनुसार की जा रही है। कार्य को पूरा करने की निर्धारित संशोधित तिथि दिसंबर 2027 है।

****